|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१३ जुलाई २०२५ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

श्रेणी ४

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
OPEN /REGULAR		WRITER	
SANGH NAME		SUPARVISOR NAME	
MAHILA MANDAL		TOTAL MARKS	

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। (नीचेना पाठनी पूर्ति करो।) **(१६)**

१. उग्गमेणं ....

.... वा जं

२. पउम लेसाए ....

.... चरमेहिं

३. सिंघाणेसु वा .... सुक्के

४. अणत्था दंडे .... कायं

५. अरिहंताणं .... हिंसप्पयाणं

६. सव्वस्स .... संजय

७. प्राण .... ऋद्धि

८. छउमाणं .... बुद्धाणं

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। (नीचेना शब्दोना अर्थ लखो।) **(६)**

१. कुदंसण वज्जणा .... २. पेयाला ....

३. तक्करप्पोगे .... ४. तदुभयागमे ....

५. लक्ख वाणिज्जे ....

६. बुद्धाणं ....

७. नमो सिद्धाणं

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। (नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो।) (६)

१. धर्म के फल में संदेह किया हो। (धर्मकरणीना फळमां संदेह राख्यो होय।) ....

२. परमार्थ का (परम अर्थनो) ....

३. अन्य सूत्र का पाठ अन्य सूत्र में मिलाया हो। (ध्यान विना सूत्रो भणाया होय।) ....

४. वे इस प्रकार है। (ते जेम छे तेम) ....

५. मुखरी वचन बोला हो। (जेम तेम निरर्थक बोलवुं।) ....

६. अच्छे जानकारों की (भली दृष्टिथी जोया छे) ....

(४) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) (१२)

१. कर्मादान यानि क्या? (कर्मादान एटले शुं?) (१×६)

....

२. परिग्रह यानि क्या? पहला मुद्दा लिखो। (परिग्रह एटले शुं? पहेलो मुद्दो लखो।)

....

३. श्रावकों का भोजन कैसा होना चाहिए? दो शब्दों में लिखिए। (श्रावकोनुं भोजन केवुं होवुं जोइए? बे शब्दोमां लखो।)

....

४. प्रमाद के प्रकार लिखो। (प्रमादना प्रकार लखो।)

....

५. बारह व्रत का किस प्रकार विभाग किया है? (बार व्रतने केवी रीते वहेंच्या छे?)

....

६. चौथे व्रत में एक कोटि किस अपेक्षा बताया है? (चोथुं व्रत एक कोटिए कोना संबंधी बताव्युं छे?)

....

(५) निम्नलिखित वाक्यों में कौन से अतिचार लगते है? कौन से पाठ में है?

(नीचेनामां कया अतिचार लागे? कया पाठमां छे?) (४)

१. तिल के मशीन का व्यापार किया हो। ....

(तेलनी घाणीनो व्यापार कर्यो होय।)

२. संथारा में देव के सुख की कामना की हो। ....

(संथारामां देवगतिनी इच्छा करी होय।)

३. फूग वाली रोटी दी हो। ....

(फूगवाली रोटली आपी होय।)

४. दाणचोरी का माल खरीदा हो। ....

(दाणचोरो पासेथी माल खरीद्यो होय।)

(६) अयोग्य शब्द पर गोल करो। (अयोग्य शब्द पर गोल करो।) **(२)**

१) वत्थ, वत्थविहिं, कंबल, पडिग्गह

२) देश कथा, राज कथा, धर्म कथा, पुरुषकथा

३) कल्लाणं, मंगलं, चेईयं, सरणं

४) अणत्था दंड, सामायिक व्रत, अतिथि संविभाग, देशावगासिक

(२०)

प्र. २ सामान्य समझ विभाग के आधार पर लिखिए। (सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) **(१०)**

१. लोक यानि क्या? लोक में कौन से द्रव्य है? (लोक एटले शु? लोकमां कया द्रव्य छे?) (२)

....

....

२. नारकी के जीव कहां रहते है? (नारकीना जीवो क्यां रहे छे?) (१×८)

....

३. मध्यलोक में किस गति के जीव रहते है? (मध्यलोकमां कई गतिना जीवो रहे छे?)

....

४. १४ राजलोक का वर्णन कौन से आगम सूत्र में है? (१४ राजलोकनु वर्णन कया आगम सूत्रोमां छे?

....

५. विमान किसे कहते है? (विमान कोने कहेवाय छे?)

....

६. मध्यलोक कितना योजन लंबा, चौडा, उंचा है? (मध्यलोकनी लंबाइ, पहोळाइ अने उंचाइ केटली छे?)

....

७. शुक्लपक्षी जीवो कब मोक्ष में जाते है? (शुक्लपक्षी जीवो क्यारे मोक्षमां जाय छे?)

....

८. आराधक जीवे किस यात्रा में आगे बढ सकते है? (आराधक जीव कई यात्रामां आगळ वधी शके छे?)

....

९. सिद्ध अवस्था की स्थिति कितनी? (सिद्ध अवस्थानी स्थिति केटली?)

....

(२) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) **(५)**

१. ...... या ...... होना काल से सापेक्षभाव है। (...... के पणुं काल सापेक्षभाव छे।)

....

२. अढीद्वीप बहार ......, ... स्थिर है। (अढीद्वीप बहार ......, ... स्थिर छे।) ....

३. घनोदधि के नीचे असंख्यात योजन में ......-...... वायु है। (घनोदधि नीचे असंख्यात योजनमां ......-...... होय।)

....

४. तीर्थंकर भगवान की आज्ञानुसार ...... या ...... का यथार्थ पालन करता है,वह आराधक कहलाता है।

(तीर्थंकर भगवानी आज्ञानुसार ...... के ...... नुं पालन करे ते आराधक छे।)

....

५. वाणव्यंतर देवो ......, ...आदि में रहते है। (वाणव्यंतर देवो ......, ... आदिमां तेओ निवास करे छे।)

....

(१५)

प्र. ३ संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए। (संस्कार विभागना आधारे लखो।)

(अ) ३५ बोल के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। **(१०)**

(३५ बोलना आधारे नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।)

१. दृष्टि, समवाय, अस्तिकाय और कर्म यानि क्या?

....

....

....

....

....

२. अंक में जवाब लिखिए। (आंकडामां जवाब लखो।) ....

१. योग .... २. छ द्रव्य के बोल ....

३. प्रमाण .... ४. अक्रियावादीना भेद ....

३. पांच बोल का प्रतिक्रमण आश्रव के किस बोल में आता है? (पांच बोलनुं प्रतिक्रमण आश्रवना कया बोलमां आवे छे?)

....

....

४. छट्ठी लेश्या, छट्ठुं गुणस्थान, छट्ठी भावना और श्रावक का छट्ठा गुण लिखो।

....

....

५. देवता के दंडक कितने? कैसे? (देवताना दंडक केटला? केवी रीते?)

....

....

(आ) छ काय के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर वाक्यमां लखो।) (५)

१. वनस्पति के कुल, वर्ण और संस्थान लिखो।

....

२. खेचर यानि क्या? ....

३. मनुष्य के मुख्य भेद लिखे। ....

४. वाउकाय कितनी काया करे? अप्काय का आयुष्य लिखे। (वायुकाय कोना जेवडी काया करे? अप्कायनुं आयुष्य लखो।)

....

....

५. कुल यानि क्या? ....

६. अंतिम तीन नरक के नाम लिखो। (छेल्ली त्रण नरकना नाम लखो।)

....

७. काय यानि क्या? ....

३. बादर जीव लोक के किस भाग में है? (बादर जीव लोकमां क्या छे?)

....

९. पृथ्वीकाय के जीवों के प्रति दया का भाव कैसे रखना चाहिए (दो मुद्दा)।

(पृथ्वीकायनी दया केवी रीते पाळी शकाय? बे मुद्दा लखो।)

....

....

१०. विकलेन्द्रिय के कुल लिखो। ....

....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञान के आधार पर नम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत? गलत को सुधारो।
(नीचेना वाक्यो साचा छे के खोटा? खोटा होय ते सुधारीने लखो।)

१. एकेन्द्रिय का जीवत्व क्रिया से प्रकट होता है। (एकेन्द्रियनुं जीवत्व क्रियाथी प्रगट थाय छे।)

....

२. छकाय जीवों की सिद्धि आचारांग सूत्र अध्ययन ४ में है। (छकाय जीवोनी सिद्धि आचारांग सूत्र अध्ययन ४ में है।)

....

३. एकेन्द्रिय जीव का विच्छेदन करे तो उसे संवेदना होती है। (एकेन्द्रिय जीवनुं छेदन-भेदन करीए तो तेने संवेदन थाय छे।)

....

४. श्रद्धा को दृढ करने में जीवन की सफलता है। (श्रद्धाने दृढ बनाववी ते ज जीवननी सफलता छे।)

....

५. साधु के ज्ञान प्रति हमारी पूर्ण श्रद्धा है। (साधुना ज्ञान प्रति आपणी पूर्ण श्रद्धा छे।

....

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर दो शब्दो में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना जवाब बे शब्दमां लखो।) **(६)**

१. त्रिपृष्ठ वासुदेव का आयुष्य लिखें। वे मरकर कहां उत्पन्न हुए? (त्रिपृष्ठ वासुदेवनुं आयु केटलुं? तेओ मरीने क्यां उत्पन्न थया?)

....

२. मोक्ष में जाने के लिए कौन से भाव उत्कृष्ट चाहिए? (मोक्षमां जवा माटे शेना भाव उत्कृष्ट जोइए?)

....

३. वसुमती के माता-पिता का नाम लिखे। ....

४. मूला शेठाणी किस चिंता में उलझ गई? (मूळा शेठाणी कई चिंताओमां फसाई गया?)

....

५. गजसुकुमार का क्या अद्‌भूत था? (गजसुकुमारनुं शुं अलौकिक हतुं?)

....

६. वैर की परंपरा कब तक चलती है? कैसे दु:ख देती है? (वेरनी परंपरा क्यां सुधी चाले छे? केवा दु:ख आपे छे?)

....

(२) कौन किस को कहता है? (कोण बोले छे अने कोने कहे छे?) **(४)**

१. मोक्ष में जाने का शोर्टकर्ट क्या है? (मोक्षमां जवानो शोर्टकर्ट शुं छे?)

....

२. तुम पशुओमें सिंह हो। (तमे पशुओमां सिंह छो।)

....

३. इसे हमारी बेटी समजो। (आने आपणी दीकरी समजो।)

....

४. इससे बदला लेता हूं। (आनाथी बदलो लउं छुं।) ....

(१०)

प्र. ६ काव्य विभाग के आधार पर नीचे दी गई कविता पूरी करे। (नीचेना काव्यनी पूर्ति करो।)

१. आयुष्य ....

....

....

.... चणुं.

२. अथवा ....

....

....

.... क्यां?

३. महा ....

....

.... जगदीश।

४. केवल ....

....

.... वाट।

५. मात्र

....

....

.... फले।